जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 05 मार्च 2020

टीचर्स एजुकेशन के बदलते परिदृश्य पर जामिया में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में चल रहे शताब्दी समारोहों के तहत विश्वविद्यालय के फैकल्टी आॅफ एजुकेशन के एजुकेशन स्टडीज़ विभाग ने 4 मार्च 2020 को ''चेजिंग लैंडसस्केप आॅफ टीचर्स एजुकेशन'' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में 14 देशों के लगभग 180 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. जेएस राजपूत थे। वह पूर्व निदेशक, एनसीईआरटी और पूर्व अध्यक्ष, एनसीटीई हैं। उन्होंने चरित्र निर्माण पर खास ज़ोर दिया। टेक महिंद्रा फाउंडेशन के सीओओ डॉ. चेतन कपूर इस सत्र के गेस्ट ऑफ ऑनर थे।

दक्षिण अफ्रीका के कॉलेज ऑफ एजुकेशन, स्कूल ऑफ एजुकेशनल स्टडीज के डॉ. इटुमेलेंग आई सेटलोडी ने 'की नोट' संबोधन दिया। इसमें शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए इसे और अधिक प्रभावी बनाने के बारे में सुझाव दिए गए।

जामिया की कुलपति प्रो. नजमा अख्तर ने इस महत्वपूर्ण विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजित करने के लिए विभाग के प्रयासों की सराहना की।

उद्घाटन कार्यक्रम में सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत पत्रों के संकलन को भी जारी किया गया, साथ ही 'जामिया जर्नल ऑफ एजुकेशन' के 12 वें अंक भी जारी किया गया। यह एक द्वैमासिक अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन है, जिसे जामिया का शिक्षा संकाय प्रकाशित करता है। इसके मौके पर वाइस चांसलर प्रो अख्तर, प्रो-वाइस चांसलर प्रो इलियास हुसैन, डीन, फैकल्टी ऑफ एजुकेशन के प्रो एजाज़ मसीह समेत अन्य लोग मौजूद थे।

स्थापना के 100 वें वर्ष में, विभाग ने आरदरणीय प्रो मोहम्मद मियां के योगदान और मार्गदर्शन को स्वीकार करते हुए और उनके प्रति कृतज्ञता और स्नेह जताते हुए उन्हें 'इफ्तिखार-ए-तालीम' का पुरस्कार से सम्मानित करने का फैसला किया।

प्रो. मोहम्मद मियाँ, शिक्षा संकाय के एक पूर्व संस्थापक और एमएनयूयू हैदराबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति हैं। उन्होंने जामिया के एजुकेशन विभाग को स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान किया है। प्लेनरी सेशन में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (एनाआईपीए) के प्रो. प्रणति पांडा, और ब्रिटिश काउंसिल की सुश्री दीपाली धर्मराज द्वारा दिए गए दो वार्तालापों बहुत ध्यान से सुना और सराहा गया।

इस सम्मेलन का उद्देश्य टीचर एजुकेशन को एक बड़ा आयाम देने के लिए प्रचलित प्रथाओं को और अधिक विकसित और मजबूत करने के तरीकों और साधनों पर गौर करना था। दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 100 से अधिक पेपर प्राप्त हुए, जिनमें से 71 को प्रस्तुतिकरण और प्रकाशन के लिए उपयुक्त पाए गए। सम्मेलन में 12 समानांतर सत्रों आयोजित हुए।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक